देश के कई राज्यों में 15 लोगों की डूबने से मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिद्धी-सिद्धि के देवता भगवान श्री गणेश की विदाई पर विसर्जन के दौरान देश के अलग अलग राज्यों में कई हादसे हुए हैं। महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में गणपति प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई दुर्घटनाओं में 15 लोगों की मौत हो गई, वहीं कई अन्य घायल हुए हैं। हरियाणा के महेंद्रगढ़ में झगड़ोली नहर में गणेश की प्रतिमा के साथ 8 लोग बह गए, जिनमें से 4 की मौत हो गई। वहीं, सोनीपत में यमुना नदी में डूबकर 2 की मौत हो गई, 2 अभी लापता हैं। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में भी 8 लोगों की मौत की खबर है। संत कबीर नगर में आमी नदी में गणपति विसर्जन के दौरान 4 बच्चे डूब गए, चारों भाई-बहन थे। सभी के शव निकाल लिए गए हैं। वहीं, ललितपुर और उन्नाव में 2-2 लोगों की विसर्जन के दौरान डूबने से मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक संतकबीर नगर में भाई नदी में उतरा तो डूबने लगा। उसे बचाने के चक्कर में तीनों बहनें भी पानी में उतर गईं। चारों की डूबने से मौत हो गई। मुंबई के पनवेल में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान जेनरेटर मशीन का तार टूट जाने से 11 लोगों को करंट लग गया। इनमें से एक आईसीयू में भर्ती है। यह घटना पनवेल के वाडघर इलाके में एक विसर्जन के दौरान हुई। पनवेल नगर निगम प्रमुख गणेश देशमुख ने मीडिया को बताया कि स्थानीय पुलिस उपायुक्त शिवराज पाटिल और उन्होंने 7 घायलों को पनवेल उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया और 4 लाइफलाइन अस्पताल में हैं। एक आईसीयू में है। इस दुर्घटना में घायल लोगों में 5 और 15 साल के छोटे बच्चे हैं।

हरियाणा के महेंद्रगढ़ और सोनीपत में गणपति विसर्जन के दौरान 2 हादसे हुए। कनीना रेवाडी रोड पर स्थित गांव झगड़ोली के पास नहर में गणेश की प्रतिमा विसर्जित करने गए 9 लोग पानी के तेज बहाव में बह गए। देर रात 8 लोगों को नहर से बाहर निकाला गया। इनमें से 4 की मौत हो गई। अन्य 4 को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसी तरह सोनीपत में यमुना घाट पर 3 की डूबने से मौत हो गई। महेंद्रगढ़ में मृतकों की पहचान टिंकू, आकाश, नितिन और निकुंज के रूप में हुई है। इनकी उम्र 18 से 23 साल के बीच थी। मनोज, दीपक, सुनील, संजय गंभीर हालत में अस्पताल में हैं।

हरियाणा के सोनीपत में यमुना नदी के मीमारपुर घाट पर गणपति की प्रतिमा विसर्जन के दौरान सुंदर सांवरी निवासी सुनील (45), उनका बेटा कार्तिक (13) और भतीजा दीपक (20) डूब गए। देर रात को सुनील और उनके भतीजे दीपक का शव बरामद हुआ। कार्तिक की तलाश जारी है। वहीं, यमुना के बेगा घाट पर रेहड़ा बस्ती का सुमित (22) पानी के तेज बहाव में बह गया। प्रतिमा विसर्जन के लिए वह अपने 6 अन्य साथियों के साथ यमुना नदी में उतरा था। उसके बाकी साथियों को बचा लिया गया।

रामजन्मभूमि के सबूत खोद निकालने वाले बीबी लाल का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रामजन्मभूमि के सबूत खोद निकालने वाले बीबी लाल का निधन हो गया। उनकी केस में अहम स्टडी थी। वे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पूर्व महानिदेशक पद्मश्री विभूषण प्रो. बीबी लाल थे। उनकी उम्र 101 साल की थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताते हुए श्रद्धांजलि दी है। बीबी लाल को भारत का सबसे वरिष्ठ आर्कियोलॉजिस्ट माना जाता था। वह 100 साल की उम्र में भी आर्कियोलॉजी से जुड़े शोधों में और इसके लेखन में सक्रिय थे। बीबी लाल का जन्म झांसी जिला के बैडोरा गांव में 02 मई 1921 को हुआ था। उन्होंने भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, शिमला के निदेशक के रूप में सेवा शुरू की। बीबी लाल को साल 2000 में पद्मभूषण के सम्मान से नवाजा गया था। इसके बाद 2021 में पद्मविभूषण का भी सम्मान दिया गया था। बीबी लाल ने महाभारत और रामायण से जुड़ी साइट्स के साथ-साथ सिंधु घाटी और कालीबंगन पर भी खूब काम किया था। उनके काम से जुड़ी तमाम किताबें और सैकड़ों रिसर्च पेपर प्रकाशित हो चुके हैं।

पंचतत्व में विलीन हुए श्री उमेश शर्मा, समाज के सभी वर्गों ने दी श्रद्धांजलि

इन्दौर ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता श्री उमेश शर्मा के पार्थिव शरीर को जूनी इंदौर स्थित मुक्तिधाम में अंतिम विदाई दी गई। प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद शर्मा, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा सहित प्रदेश के मंत्री, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अंत्येष्टि में शामिल हुए।

श्री उमेश शर्मा को अचानक हृदयाघात हुआ तब उन्हें रॉबर्ट नर्सिंग होम ले जाया गया जहां पर उन्होंने कल अंतिम सांस ली। उनके निज निवास पर प्रदेश के गणमान्य नागरिकों सहित भारी संख्या में लोगों ने अंतिम दर्शन किये। इसके पश्चात उन्हें जूनी इंदौर स्थित मुक्तिधाम में उनके बड़े सुपुत्र अन्वेष शर्मा द्वारा मुखाग्नि दी गई। उनके परिवार से सुपुत्र श्री अनुज शर्मा, श्री उत्कर्ष शर्मा, बड़े भाई श्री संतोष शर्मा, श्री राजेश शर्मा, श्री दिनेश शर्मा, धर्मपत्नी श्री राधा शर्मा, भतीजे सोनू शर्मा, मोनू शर्मा अंकित शर्मा सहित परिजनों की उपस्थिति रही।

जूनी इंदौर मुक्तिधाम के सभागार में शोक संवेदना व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि श्री उमेश शर्मा भाजपा के दृढ़ संकल्पित कार्यकर्ता थे, जो 24 घंटे पार्टी के कार्य में रत रहते थे, मुझे समाचार सुनकर बहुत दुःख हुआ कि उमेशजी जैसे देव तुल्य कार्यकर्ता हमारे बीच में नहीं रहे यह केवल भाजपा की ही नहीं मेरी टीम की भी क्षति है, मैंने कई अवसरों पर देखा है कि कई मंचों से भी पार्टी के विचारों को जनता के बीच रखते थे, चाहे किसी भी तरह की परिस्थिति हो, उनकी संगठन के प्रति दृढ़ प्रतिज्ञा होती थी। उमेश जी के जीवन और उनके कार्य करने की शैली से भाजपा के कार्यकर्ता बहुत कुछ सीख सकते हैं। पूरी भारतीय जनता पार्टी शोक संतप्त परिवार के साथ है, हमें श्री उमेश जी के विचारों को आगे बढ़ाना है, मैं भारतीय जनता पार्टी की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दे, ऐसी प्रार्थना करता हूं। शोक सभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता एवं राष्ट्रीय कवि श्री सत्यनारायण सत्तन ने कहा कि उमेश जी भारतीय जनता पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में हमेशा अपने दायित्व का निर्वहन किया आज एक योग्य नेतृत्व करता नौजवान हमारे बीच नहीं रहा मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि परिवार को इस दुःख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शोक सभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मन बहुत दुखी है, वेदना में बहुत सारी यादों की बारात चल रही है, उमेश जी ने बहुत संघर्ष किया, उमेश जी के साथ हमने बहुत सारे आंदोलन करें और जेल भी गए। उमेश जी सरस्वती पुत्र होने के साथ ही बहुत साहसी और जुझारू व्यक्ति थे।

राहुल के साथ प्रियंका कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में होंगी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी को नई ऊर्जा देने और जनाधार बढ़ाने के लिए, महासचिव प्रियंका गांधी ने भी भाई राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का फैसला किया है। प्रियंका गांधी ने 19 से 22 सितंबर के बीच केरल में भारत जोड़ो यात्रा में हिस्सा लेने का फैसला किया है। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर से शुरू हो गई है। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी 100 से भी ज्यादा कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित राज्यों से होकर कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक की पदयात्रा करेंगे। इस यात्रा में 150 दिनों में करीब 3500 किलोमीटर का सफर तय किया जाएगा। कांग्रेस ने अपनी इस यात्रा के दौरान दो सत्र में सफर करने का फैसला किया है। सुबह 7 से 10.30 बजे और शाम को 3.30 से 6.30 बजे तक ये पदयात्रा की जाएगी। योजना है कि इस दौरान रोजाना 22 से 23 किलोमीटर की दूरी तय की जा सकेगी।

बहरहाल, कांग्रेस में इस समय अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर घमासान मचा हुआ है। कई नेताओं ने कांग्रेस के अध्यक्ष के चुनाव से पहले उसमें वोट डालने वालों की लिस्ट को सार्वजनिक करने की मांग उठाई है। इसके साथ ही राहुल गांधी ने कांग्रेस के अध्यक्ष का चुनाव लड़ने के मामले पर अपनी चुप्पी कायम रखी है। जिसके कारण सस्पेंस बढ़ गया है। कांग्रेस के कुछ लोगों का कहना है कि राहुल को अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए मनाने की कोशिश जारी है। जबकि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जब राहुल गांधी से कांग्रेस

के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कोई साफ जवाब नहीं दिया। राहुल ने कहा कि उन्होंने अपना मन बना लिया है और सही समय आने पर वे लोगों को इसके बारे में जानकारी देंगे। राहुल ने ये भी कहा कि उनकी पदयात्रा इसे समझने की एक कोशिश है कि जमीनी स्तर क्या हो रहा है।

सेंट्रल विस्टा परियोजना के लिए प्रधानमंत्री की प्रशंसा से कामगार गौरवान्वित महसूस कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल विस्टा परियोजना के कामगार मोहम्मद आबिद ने कहा कि परियोजना में योगदान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई श्रमिकों की तारीफ से वह खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। दो महीने पहले अपने पिता की मृत्यु के बाद आबिद नौकरी के लिए बिहार के बांका जिला स्थित अपने घर से निकले थे। लेकिन उन्हें अंदाजा नहीं था कि वह दिल्ली में नये संसद भवन की परियोजना में काम करेंगे और प्रधानमंत्री द्वारा सराहे जाएंगे।

परियोजना स्थल के पास दोपहर का भोजन करते हुए 21 वर्षीय निर्माण श्रमिक ने कहा, मेरे दोस्त कहते हैं कि मैं संसद भवन बनाने के लिए काम कर रहा हूं और मोदी जी ने भी हमारी प्रशंसा की है जिससे मुझे बेहद अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि घर में उनकी मां तथा एक छोटा भाई है और वह उनके लिए

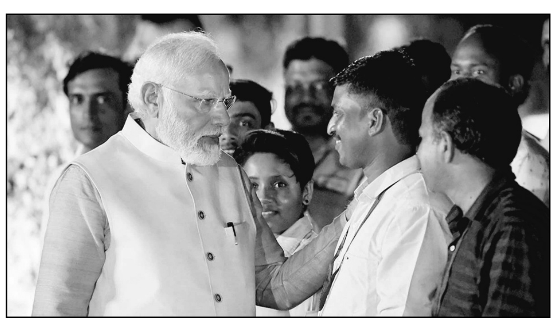

कुछ पैसे बचाने की उम्मीद कर रहे हैं। अधिकतर उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के ग्रामीण इलाकों से आने वाले श्रमिक दोपहर के भोजन के लिए एकत्र होते हैं और इस दौरान व्यक्तिगत समस्याओं, पारिवारिक और आर्थिक परेशानियों पर चर्चा करते हैं।

उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी निवासी बिनोद कुमार सिंह चौहान ने उम्मीद जताई कि ऐतिहासिक काम में लगे श्रमिकों के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा आवास, भोजन, पानी, परिवहन और समय पर भुगतान की बेहतर सुविधा सुनिश्चित कर सकती है। चौहान ने कहा, हम मोदीजी को धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने हमारी प्रशंसा की और इतिहास को आकार देने में हमारे योगदान को मान्यता दी। मुझे पूरा विश्वास है कि इससे कीर्ति नगर स्थित हमारे शिविर में रहने की स्थिति में सुधार होगा।

चौहान ने दावा किया कि उनके पास कानून की डिग्री है, लेकिन गरीबी ने उन्हें राजमिस्त्री के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया। कर्तव्य पथ के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे खंड के पुनर्विकास में लगे 16 कामगारों के एक समूह के साथ बातचीत की और उन्हें अपने परिवारों के साथ 2023 गणतंत्र दिवस परेड पर विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा था, सेंट्रल विस्टा के श्रमजीवी और उनके परिवार अगले गणतंत्र दिवस परेड में मेरे विशेष अतिथि होंगे। कई अन्य श्रमिकों ने अपने अनुभव साझा किये। नये संसद भवन में बिजली आपूर्ति से संबंधित काम पर ठेकेदार की ओर से रखे गये नोएडा निवासी बबलू ने कहा, कुछ सालों बाद किसी दिन कोई नये संसद भवन का उल्लेख करेगा, तो मैं उसे बताऊंगा कि मैंने इसके निर्माण में योगदान दिया है। नया संसद भवन बनाने का काम आधारभूत ढांचा निर्माण कंपनी टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड को सौंपा गया है, जो कि मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना का एक हिस्सा है। सरकार की योजना संसद का शीत सत्र नये संसद भवन में आयोजित करने की योजना है। इसका शिलान्यास प्रधानमंत्री मोदी ने दिसंबर 2020 में किया था।

कांग्रेस ने विशेष राज्य का दर्जा वापस ले लिया, मोदी सरकार आई तो वापस मिला : अनुराग ठाकुर

उना (हिमाचल प्रदेश) (एजेंसी)। उना के गगरेट विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हमने केंद्र में भी ईमानदार सरकार दी, प्रदेश में भी ईमानदार सरकार दी। केंद्र में मोदी जी और प्रदेश में जयराम जी ने हर तरह की सुविधा देने का काम किया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हम आजादी के 75 साल यानी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हमारे पीएम के विजन और लोगों के सहयोग से नए युग का भारत बनेगा। आगे बढ़ने के लिए भारत को एकजुट होना चाहिए,

विभाजित नहीं होना चाहिए।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि पहले केंद्र और प्रदेश में कांग्रेस थी तो हिमाचल का विशेष राज्य का दर्जा वापस ले लिया गया। जो हिमाचल को अटल बिहारी वाजपेयी ने दिया था वो मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने वापस ले लिया। लेकिन मोदी जी की सरकार आई तो उन्होंने हिमाचल को वो दर्जा वापस दिया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि अंग्रेजों की मानसिकता से मुक्ति दिलाने का काम पीएम मोदी ने किया है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के पांच प्रणों से पूरे देश को लाभ मिलेगा। अंग्रेज भारत में राज करने आए थे लेकिन अंग्रेज शासकों की मानसिकता से मुक्ति पाने का काम पीएम मोदी ने किया है। अब एक नए संसद भवन का निर्माण करवाने का काम नए भारत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नई सोच भारत को बहुत आगे ले जाने वाली है।

कश्मीरी पंडितों ने धूमधाम और पारम्परिक रीति-रिवाज से मनाया वेयथ त्रुवाह पर्व

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीरी पंडितों ने बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ वितस्ता नदी का जन्मदिन मनाया। हम आपको बता दें कि झेलम नदी का ही वास्तविक नाम वितस्ता है और कश्मीरी पंडित इसे वेयथ के नाम से भी पुकारते हैं और उनके लिए यह सिर्फ नदी नहीं बल्कि आत्मा के बराबर महत्व रखती है। इस नदी के किनारे कई प्रसिद्ध मंदिर स्थित हैं। हम आपको बता दें कि कश्मीरी संस्कृति और सभ्यता की जननी वितस्ता नदी के घाट पर कभी वेयथ त्रुवाह के अवसर पर बड़ा मेला लगता था। इस साल भी अच्छी खासी संख्या में कश्मीरी पंडित वेयथ त्रुवाह के अवसर पर घाटी में

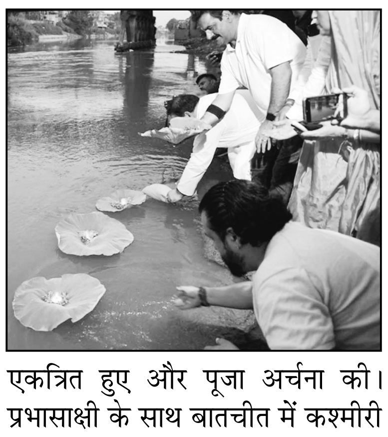

एकत्रित हुए और पूजा अर्चना की। प्रभासाक्षी के साथ बातचीत में कश्मीरी पंडितों ने उम्मीद जताई कि जिस तरह से हालात बदल रहे हैं, उसको देखते हुए जल्द ही फिर से वेयथ त्रुवाह पर्व की पुरानी रौनक लौटेगी और लोग बड़ी संख्या में यहां आएंगे।

यह समारोह पुराने श्रीनगर के हाबा कदल में पुरशियार घाट पर आयोजित किया गया था और कश्मीर के संभागीय आयुक्त भी इस दौरान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पुराने श्रीनगर के प्रसिद्ध मंदिरों से सटे पांच घाट शाम को जगमगा उठे। समारोह की शुरुआत झेलम नदी के नीचे नावों पर कलाकारों द्वारा पारंपरिक संगीत के वादन के साथ हुई। इस दौरान जब पूजा और आरती के बाद नदी में मिट्टी के जलते दीये छोड़े गये तो बड़ा अलौकिक दृश्य था। समारोह के समापन के समय एक जुलूस भी निकाला गया जिसमें सभी समुदायों के लोग शामिल हुए।